भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
06.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2811 का उत्तर

तमिलनाडु और दक्षिणी रेल ज़ोन के लिए मिशन रफ़्तार

2811. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) संपूर्ण देश में और विशेषकर तमिलनाडु और दक्षिणी रेल ज़ोन में, मिशन रफ़्तार के अंतर्गत चयनित मार्गों का राज्यवार और ज़ोनवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या तमिलनाडु को उत्तरी और पश्चिमी ज़ोन की तुलना में उक्त मिशन के अंतर्गत आनुपातिक आवंटन और फोकस प्राप्त हुआ है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इस क्षेत्रीय असंतुलन के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार तमिलनाडु में चेन्नई-मदुरै, चेन्नई-कोयम्बटूर और तिरुचिरापल्ली-रामेश्वरम जैसे प्रमुख भीड़भाड़ वाले मार्गों पर उक्त मिशन का विस्तार करने की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है साथ ही इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): वर्ष 2016-17 के रेल बजट में मिशन रफ्तार की घोषणा की गई थी, जिसका लक्ष्य माल गाड़ियों और सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस गड़ियों की औसत गति बढ़ाना था। रेल गाड़ियों की गति बढ़ाना एक सतत् प्रयास और निरंतर प्रक्रिया है, जो रेलपथ, सिगनल प्रणाली, ओएचई के उन्नयन, उच्च शक्ति वाले रेल इंजनों, आधुनिक सवारी डिब्बों आदि पर निर्भर है।

इस मिशन को प्राप्त करने के लिए मध्यावधि और दीर्घकालिक योजनाओं में अवसंरचनात्मक सुधार अर्थात तीसरी लाइन/चौथी लाइन का निर्माण, बाईपास की व्यवस्था, रेल फ्लाईओवर, गाड़ियों में पर्याप्त अश्वशक्ति के इंजन की व्यवस्था, पारंपरिक रेलइंजन चालित गाड़ियों की जगह एमईएमयू चलाना, समय-सारणी में परिवर्तन और 1x25 किलोवॉट कर्षण प्रणाली को 2x25 किलोवॉट कर्षण प्रणाली में बदलना शामिल है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान, भारतीय रेल में गति क्षमता बढ़ाने के लिए रेलपथों का उन्नयन और सुधार बड़े पैमाने पर किया गया है। रेलपथ के उन्नयन के उपायों में 60 किलोग्राम की पटरियाँ, चौड़े आधार वाले कंक्रीट स्लीपर, मोटे वेब स्विच, लंबे रेल पैनल, एच-बीम स्लीपर, आधुनिक रेलपथ नवीनीकरण और अनुरक्षण मशीनें आदि शामिल हैं।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, रेलपथ की गति क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 की तुलना में वर्ष 2025 में रेलपथ की गति क्षमता का ब्यौरा निम्नानुसार है।

खंडीय गति (कि.मी. प्रति घंटा)	2014		2025	
	रेलपथ कि.मी.	%	रेलपथ कि.मी.	%
< 110	47,897	60.4	22,862	21.6
110-130	26,409	33.3	59,800	56.6
130 और उससे अधिक	5,036	6.3	23,010	21.8
कुल	79,342	100	1,05,672	100

उपर्युक्त में निम्नलिखित खंड के लिए 110 कि.मी. प्रति घंटे/130 कि.मी. प्रति घंटे तक की गति उन्नयन शामिल है:

(i) चेन्नई-मदुरै
(ii) चेन्नई-कोयंबटूर
(iii) तिरुचिरापल्ली-रामेश्वरम

तमिलनाडु में रेल परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

तमिलनाडु में सम्पर्कता सुधार के लिए, 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 22,808 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1,700 किलोमीटर लंबाई की 15 रेल परियोजनाएं (9 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं, जिनमें से 665 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 7,591 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। विवरण निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	9	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	3	748	604	3,471
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	3	140	37	2,783
कुल	15	1700	665	7,591

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	6,626 करोड़ रुपए (7.5 गुना से अधिक)

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुकी हुई हैं। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार हैः-

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4315 हैक्टेयर
भूमि अधिग्रहण	1038 हैक्टेयर (24%)
अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि	3277 हैक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	आवश्यक कुल भूमि (हैक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हैक्टेयर में)	अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि (हैक्टेयर में)
1.	तिंडीवनम-तिरुवन्नामलाई नई लाइन (71 कि.मी.)	273	33	240
2.	अतिपट्टू - पुत्तुर नई लाइन (88 कि.मी.)	189	0	189
3.	मोरप्पुर - धर्मपुरी (36 कि.मी.)	93	42	51
4.	मन्नारगुडी - पट्टुकोट्टई (41 कि.मी.)	196	0	196
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टई (52 कि.मी.)	152	0	152

भारत सरकार परियोजना के निष्पादन के लिए तैयार है। बहरहाल, इसकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का हस्तांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं के पूर्ण होने के समय एवं लागत को प्रभावित करते हैं।

******